सरकारी धान खरीदी में चल रहे घोटाले

करनाल (केसी आर्य) हरियाणा के करनाल में सीएम फ्लाइंग ने जुंडला की अनाज मंडी में धान के स्टॉक का पूरा रिकार्ड लेकर राइस मिलों पर छापेमारी की। सीएम फ्लाइंग की टीमों ने मार्किट कमेटी कार्यालय के रिकॉर्ड को खंगाला और मंडी की दुकानों पर भी धान का जायजा लिया। इतना ही नहीं टीमों ने राइस मिलों में भी धान के स्टॉक को चेक किया। जुंडला मंडी का धान 11 राइस मिलों में जाता है , जिनमें से 3 राइस मिलों पर सीएम फ्लाइंग की टीम ने एक संयुक्त छापेमारी की , जिसमें से राइस मिलों पर करीब 40 हजार से ज्यादा क्विंटल धान कम पाई गई।

करनाल में सीएम फ्लाइंग के हरकत में आते ही मंडी, आढ़तियों और राइस मिलरों में हड़कंप मच गया। मंडियों में चल रही धान की अनिमितताओं का पर्दाफाश करने के लिए सीएम फ्लाइंग ने छापामारी की, जानकारी के अनुसार, पीआर धान की आड़ में चल रहे फर्जीवाड़े को लेकर सीएम फ्लाइंग को शिकायतें मिलनी शुरू हो गई थी।

जिसके बाद मंगलवार सुबह सीएम फ्लाइंग की टीम मंडी में पहुंच गई थी। टीम ने सीआईडी, डीएसपी अजीत सिंह के नेतृत्व में मंडी के मार्किट कमेटी कार्यालय में छापा मारा और वहां का रिकॉर्ड अपने कब्जे में ले लिया। टीम ने धान खरीद के गेट पास, कम्प्यूटर व रजिस्टर का मिलान किया। इसके बाद टीम मंडी की दुकानों पर भी पहुंची, जहां पर उन्होंने धान की बोरियों का जायजा लिया।

इसके साथ ही सीएम फ्लाइंग की टीम ने 3 राइस मिलों पर भी छापा मारा और वहां पर पीआर धान के स्टॉक को चेक किया। जब स्टॉक का मिलान किया गया तो आनंद फूड्स, चरू फूड्स और बुधराम राइस मिल में करीब 40 हजार से ज्यादा क्विंटल धान कम पाई गई। डीएसपी अजीत सिंह ने बताया कि जांच में अनियमितताएं पाई गई हैं और कुछ गड़बड़ भी नजर आ रही है। जिनकी जांच की जा रही है।

तीन राइस मिलों में धान का स्टॉक कम पाया गया है। ऐसे में बड़ा सवाल उठता है कि धान की बोरिया कहां गई ? क्या वास्तव में ही मंडी व्यापारियों, अधिकारियों और राइस मिलरों के बीच साठगांठ का खेल चल रहा है जो सरकार को मोटा चूना लगाने पर तुला हुआ है। धान के स्टॉक में गड़बड़ी का खेल सिर्फ जुंडला ही नहीं बल्कि जिले की अन्य मंडियों और राइस मिलों में भी देखने को मिल सकता है, बशर्ते निष्पक्ष और ईमानदारी के साथ इन सभी राइस मिलों की जांच की जाए और स्टॉक का मिलान किया जाए तो एक बड़ा घोटाला उजागर हो सकता है।

डीएसपी अजीत सिंह बताया कि उन्हें धान के स्टॉक को लेकर कई शिकायतें मिल रही थी। जिसके बाद कार्रवाई की गई। अब तक 3 राइस मिलों के स्टॉक का मिलान किया गया है।

जिन राइस मिलों में धान का काफी अंतर मिला। बहराल सीएम फ्लाइंग की टीम ये भी देखेगी कि क्या इस गड़बड़ी में किसी फूड सप्लाई विभाग के अधिकारी और मंडी के आढ़ती की भी मिलीभगत तो नहीं और अगर उनकी मिलीभगत पाई जाती है तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का कोई प्रधान नहीं, बनेंगी नई कमेटी : झिंडा

करनाल (के सी आर्य)करनाल एक धार्मिक कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व प्रधान जगदीश सिंह झिंडा ने कहा कि प्रदेश में अब हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का कोई प्रधान नहीं है। जो अपने आप को कमेटी का प्रधान कह रहे है, वो गलत है।

उन्होंने कहा कि नई कमेटी गठित की जाएगी, सीएम मनोहर लाल ने भी ऐलान कर दिया है कि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के लिए 41 सदस्यीय कमेटी बनाई जाएगी। पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने भी 41 सदस्यीय कमेटी गठित की थी, अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी निर्णय दे दिया है।

उन्होंने कहा कि अब सीएम हरियाणा से कौन से 41 सदस्यीय कमेटी चुनते है, इसका पता तो बाद में चलेगा। लेकिन इतना है कि जिस वक्त पूर्व सीएम हुडा ने 41 सदस्यीय कमेटी बनाई थी, उस समय मुझे कमेटी का प्रधान चुना गया था। 6 साल तक प्रधान के तौर पर सेवा करता रहा, मुझसे किसी ने त्यागपत्र नहीं मांगा था, स्वयं दिया था क्योंकि तबीयत काफी खराब थी। काम काज प्रभावित न हो। इसे देखते हुए कमेटी प्रधान के लिए चुनाव हुए थे। उन चुनावों में बलजीत सिंह दादुवाल चुने गए थे, तब से लेकर वे अब तक प्रधान बने हुए है। जबकि उनका कार्यकाल 18 माह का था, जो काफी समय से खत्म हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब कमेटी का कोई प्रधान नहीं है। नई कमेटी बनेंगी।

लेकिन अब दादुवाल तानाशाह बन बैठे है, जगदीश सिंह झिंडा ने दादुवाल को चेतावनी देते हुए कहा कि गुरुद्वारा में तानाशाही नहीं चलेंगी। अगर दम है तो चुनाव करवाकर देख ले, चाहे सिरसा से, करनाल से या फिर पूरे हरियाणा से। उसे पता चल जाएगा कि सही मायनों में कौन सही है। उन्होंने बलजीत सिंह दादुवाल पर आरोप लगाते हुए कहा कि ये व्यक्ति कौम के लिए खतरनाक है।

अंध भक्त स्वागत के लिए खड़े रहे, वंदे भारत रेल आई लेट

हाइड्रोजन गुब्बारे में धमाके से एक का हाथ तो दूसरे का सिर झुलसा

करनाल (जेके शर्मा) वंदे भारत ट्रेन एक तो लेट आई तथा दूसरा उसके स्वागत में लगाए गए हाइड्रोजन गुब्बारों में धमाका होने से हडक़ंप मच गया। धमाके में एक व्यक्ति का हाथ झुलस गया तथा एक बच्चे के सिर के बाल जल गए। दिनांक 13 अक्टूबर को1 बजें से भाजपाई नेता व कार्यकर्ता करनाल रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन का स्वागत करने के लिए पहुंचना शुरू हो गए थे।

जबकि इसके स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने का समय 1.51 मिनट था। लेकिन 1 घंटा 32 मिनट देरी से पहुंची। इसी दौरान रेलवे स्टेशन पर करीब 3 बजे हाइड्रोजन गुब्बरों में धमाका हो गया।

समझा जाता है कि हाइड्रोजन गुब्बारों के पास ही किसी व्यक्ति ने बीड़ी पीने के लिए माचिस जलाई थी और उसी दौरान यह हादसा हुआ। पुलिस ने एक आरोपी को मौके पर ही काबू कर लिया। जब आरोपी से पूछा गया कि आग कैसे लगी, तो उसने चुप्पी साध ली।

रेल यात्रियों को कम समय में उनके गंतव्य पर पहुंचने के लिए चौथी वंदे भारत ट्रेन को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के ऊना से हरी झंडी दिखाई। वंदे भारत ट्रेन का जगह-जगह पर स्वागत किया गया।

गौरतलब है कि इस रूट पर चलने वाली यह कोई नई अथवा बेहतर ट्रेन नहीं है। पहले से ही चलती आ रही एक ट्रेन के नाम बदलकर तथा भाड़ा बढ़ाकर मोदी सरकार यह नौटंकी कर रही है और अंधभक्त तालियां बजा रहे हैं।

मण्डी में एंट्री न मिलने से गुस्साए किसानों ने लगाया जाम

करनाल (जेके शर्मा) जिले की मंडियों में धान की आवक के जोर पकडऩे से नई अनाज मंडी में एंट्री न मिलने पर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने गेट नंबर 4 पर एंट्री बंद होने के कारण पहले सर्विस रोड को जाम किया, उसके बाद नेशनल हाईवे पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलने के बाद अधिकारी हरकत में आ गए और जिस कर्मचारी को गेट पास की एंट्री की जिम्मेदारी थी, उस कर्मचारी को वहां से हटा दिया गया।

13 अक्टूबर को मौसम खुलने पर किसान अपनी धान लेकर करनाल की मंडी में पहुंचे थे, किसानों ने करीब 30 मिनट तक नेशनल हाईवे पर जाम लगा कर रखा। पुलिस व अधिकारियों द्वारा किसानों को समझाने बुझाने का प्रयास किया गया, लेकिन किसान अपनी बात पर अडिग रहे। किसानों का आरोप है कि करनाल की नई अनाज मंडी में एंट्री को लेकर कुछ भी स्पष्ट नहीं है, मंडी प्रशासन ने इतने गेट बनाए हुए हैं, लेकिन उनमें एंट्री बंद कर दी जाती है।

किसानों का कहना है कि इससे उनको जाम की स्थिति से जूझना पड़ता है । पहले भी इसी तरह की जाम की स्थिति मंडी में बनी रही है और आज भी वही हालात बन चुके हैं, जिसके कारण किसानों को मजबूरन जाम लगाना पड़ रहा है क्योंकि सरकार और कोई भाषा समझती ही नहीं।

किसानों ने कहा कि वैसे तो मंडी प्रशासन व्यवस्था को लेकर बड़े-बड़े दावे करता है, लेकिन धरातल पर इन दावों की हकीकत कुछ और ही होती है। न तो यहां कोई सुनने वाला है और न ही देखने वाला। मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने उस अधिकारी और कर्मचारी को गेट पास की जिम्मेदारी से हटा दिया, जिसके बाद उनका गुस्सा शांत हुआ।

मंडी सचिव सुंदर कांबोज ने बताया कि सुबह एक गेट पर तकनीकि खराबी के चलते गेट पास नहीं कट रहे थे। इससे गुस्साए किसानों ने जाम लगा दिया था। बाद में वहां से कर्मचारी को हटा दिया और दूसरे कर्मचारी को ड्यूटी पर लगा दिया।

यानी की जाम लगते ही तकनीकी खराब बिल्कुल ठीक हो गयी।

सड़क के गड्ढे ने ली जान, करवा चौथ का व्रत भी न बचा पाया

करनाल (जेके शर्मा) पति के लिए करवा चौथ का व्रत रख रही महिला का काछवा रोड पर हुए हादसे में सुहाग उजड़ गया। करवा चौथ के त्योहार के लिए पत्नी के हाथों पर मेहंदी लगवा कर पति उसे घुमाने ले गया था। लौटते समय एक्टिवा स्लिप होने से हादसा हो गया, जिसमें पति की मौत हो गई, जबकि पत्नी घायल हुई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। इस हादसे के बाद परिवार की खुशियां मातम में बदल गई।

बताते है कि रामनगर निवासी राजेन्द्र अपनी पत्नी मोनिका को स्कूटी पर बैठाकर मेहंदी लगवाने के लिए गया था। मेहंदी लगवार सन्नी और मोनिका घूमने के लिए काछवा नहर की तरफ चले गए। घूमने के बाद जैसे ही वह घर वापस लौटने लगे तो काछवा रोड पर बजरी व गड्ढा होने के कारण उनका एक्टिवा फिसल कर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दोनों घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां डॉक्टरों ने सन्नी को मृत घोषित कर दिया।

सुहाग की सलामती और लंबी आयु के लिए मोनिका ने अपने पति सन्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखना था। वह कई दिन से करवा चौथ की तैयारियां कर रही थी, लेकिन व्रत से पहले ही एक हादसे ने उसकी सारी खुशियां छीन ली।

परिजनों ने बताया कि वह कई पीढ़ियों से राशन डिपो चलाते आ रहे है। पहले राजेंद्र के पिता डिपो संभालते थे। अब डिपो की जिम्मेदारी राजेंद्र पर थी। सड़क पर बने गड्ढे व बिखरी बजरी के कारण होने वाली को व्रत भी न रोक सका और न ही कभी रोक पायेगा।